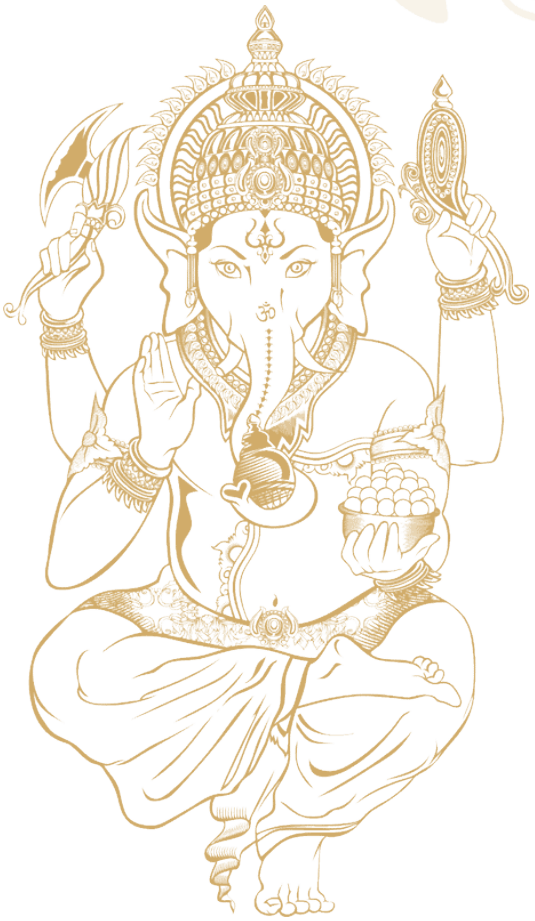

Mr.Debassish

Ms.Ankita

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120323101

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120323101 Date: 25/11/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
18/04/1993	जन्म तिथि	29/01/1999
रविवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 12:26:00	जन्म समय	10:16:00 घंटे
घटी 17:13:29	जन्म समय(घटी)	09:18:20 घटी
India	देश	India
Sambalpur	स्थान	Berhampur
21:28:00 उत्तर	अक्षांश	19:21:00 उत्तर
84:04:00 पूर्व	रेखांश	84:51:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:06:16	स्थानिक संस्कार	00:09:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:32:36	सूर्योदय	06:26:25
18:14:01	सूर्यास्त	17:41:03
23:46:04	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:30

कर्क	लग्न	मीन
चन्द्र	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
कुम्भ	राशि	मिथुन
शनि	राशि-स्वामी	बुध
पू०भाद्रपद	नक्षत्र	आर्द्रा
गुरु	नक्षत्र स्वामी	राहु
2	चरण	2
ब्रह्म	योग	वैधृति
तैतिल	करण	कौलव
सो-सोमनाथ	जन्म नामाक्षर	घ-घटी
मेष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ
शूद्र	वर्ण	शूद्र
मानव	वश्य	मानव
सिंह	योनि	श्वान
मनुष्य	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	आद्य
मेष	वर्ग	मार्जार

Astro.Pt.Premshankar Sharma
Falit Jyotish & Remedies
Warangde Maan Boisar East Palghar Maharashtra.401501
Mo.No.+91 9721 1234 95
Mo.No.+91 9823 0403 89
astroptpremshankarsharma@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 11वर्ष 6मा 17दि		15:34:22	कर्क	लग्न	मीन	24:27:40	राहु 9वर्ष 3मा 4दि	
बुध		04:29:11	मेष	सूर्य	मक	14:58:40	शनि	
04/11/2023		23:42:39	कुंभ	चंद्र	मिथु	13:08:21	04/05/2024	
04/11/2040		01:45:33	कर्क	मंगल	तुला	07:14:36	05/05/2043	
बुध	02/04/2026	09:58:15	मीन	बुध	मक	10:48:10	शनि	08/05/2027
केतु	30/03/2027	13:42:12	कन्या व	गुरु	मीन	03:02:27	बुध	15/01/2030
शुक्र	28/01/2030	10:20:40	मीन व	शुक्र	कुंभ	06:48:25	केतु	24/02/2031
सूर्य	05/12/2030	04:21:47	कुंभ	शनि	मेष	03:46:37	शुक्र	25/04/2034
चन्द्र	05/05/2032	19:25:36	वृश्चि व	राहु व	कर्क	28:18:35	सूर्य	07/04/2035
मंगल	02/05/2033	19:25:36	वृष व	केतु व	मक	28:18:35	चन्द्र	06/11/2036
राहु	20/11/2035	28:23:46	धनु	हर्ष	मक	18:41:36	मंगल	15/12/2037
गुरु	24/02/2038	27:22:44	धनु	नेप	मक	08:16:25	राहु	21/10/2040
शनि	04/11/2040	01:04:52	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	16:06:54	गुरु	05/05/2043

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:46:04 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:30

लग्न-चलित

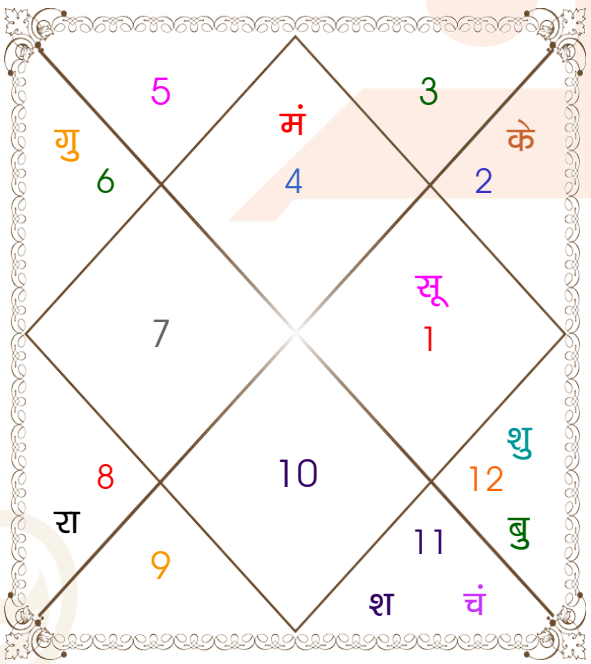

लग्न-चलित

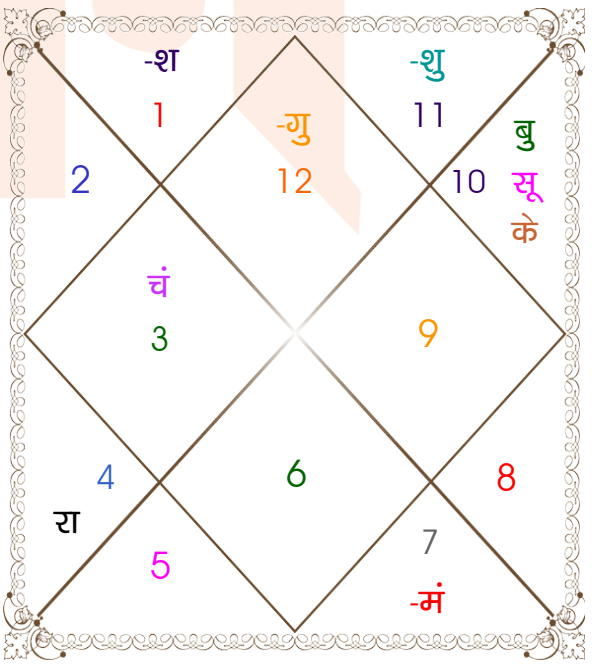

Astro.Pt.Premshankar Sharma
Falit Jyotish & Remedies
Warangde Maan Boisar East Palghar Maharashtra.401501
Mo.No.+91 9721 1234 95
Mo.No.+91 9823 0403 89
astroptpremshankarsharma@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सिंह	श्वान	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	बुध	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	मिथुन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	17.00		

कुल : 17 / 36

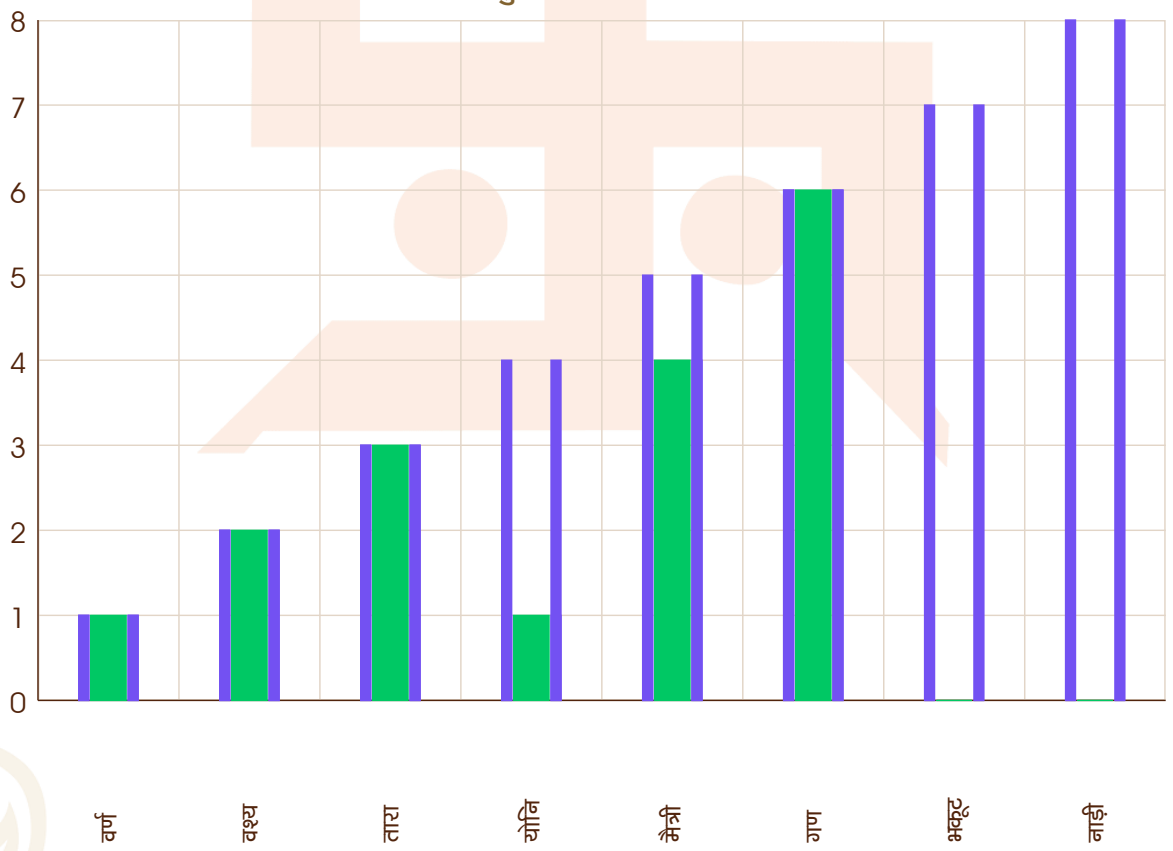

Astro.Pt.Premshankar Sharma
Falit Jyotish & Remedies
Warangde Maan Boisar East Palghar Maharashtra.401501
Mo.No.+91 9721 1234 95
Mo.No.+91 9823 0403 89
astroptpremshankarsharma@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Ms.Ankita का नक्षत्र आर्द्रा है।

Mr.Debassish का वर्ग मेष है तथा Ms.Ankita का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Debassish और Ms.Ankita का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.Debassish मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

ढप्ध्;डडत्मजतवह;0द्धझ0द्धझ क्योंकि मंगल Mr.Debassish कि कुण्डली में वक्री है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.Ankita मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Mr.Debassish कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.Debassish तथा Ms.Ankita में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

Astro.Pt.Premshankar Sharma
Falit Jyotish & Remedies
Warangde Maan Boisar East Palghar Maharashtra.401501
Mo.No.+91 9721 1234 95
Mo.No.+91 9823 0403 89
astroptpremshankarsharma@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr.Debassish का वर्ण शूद्र है तथा Ms.Ankita का वर्ण भी शूद्र है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। दोनों के स्वभाव, व्यवहार, दृष्टिकोण, पसन्द-नापसन्द में समानता रहेगी। साथ ही दोनों में इतना प्रेम होगा कि लगेगा कि दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों। दोनों के बीच गहरा प्रेम, सद्भाव, साहचर्य एवं पारस्परिक समझ बनी रहेगी। दोनों घर की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को उन्नत एवं सुदृढ़ बनाने के लिए साथ मिलकर कार्य करते रहेंगे।

वश्य

Mr.Debassish का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Ms.Ankita का वश्य भी द्विपद अर्थात मनुष्य है अर्थात दोनों का वश्य समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान होगा। Mr.Debassish एवं Ms.Ankita दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार पसंद/नापसंद तथा बुद्धि एवं ज्ञान एक समान होंगे। यह मिलान अति अनुकूल है तथा दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हैं। दोनों के बीच प्रेम, सद्भावना एवं आपसी समझ एवं सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तथा मिलजुलकर पारिवारिक दायित्वों का बोझ एक-दूसरे की सहायता एवं सहयोग करके साथ उठाते रहेंगे।

तारा

Mr.Debassish की तारा सम्पत तथा Ms.Ankita की तारा अतिमित्र है। अतः तारा मिलान अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान के कारण उत्तम स्वास्थ्य, धन एवं समृद्धि का बनी रहेगी। इस विवाह से Mr.Debassish एवं Ms.Ankita दोनों के सौभाग्य के द्वार खुल जायेंगे। Ms.Ankita एक अच्छे साथी की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा अपने पति की हर प्रकार से समय समय पर मदद करती रहेगी। घर में प्रेम, शांति एवं सौहार्द का माहौल बना रहेगा। इनकी संतान भी काफी अच्छी होंगी तथा जीवन में सफलता प्राप्त करती रहेंगी।

योनि

Mr.Debassish की योनि सिंह है तथा Ms.Ankita की योनि श्वान है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग-अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय

अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.Debassish का राशि स्वामी Ms.Ankita के राशि स्वामी से मित्र का संबंध रखता है। जबकि Ms.Ankita का राशि स्वामी Mr.Debassish के राशि स्वामी के साथ सम का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए मित्र हो किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को सम मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पत्ति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

गण

Mr.Debassish का गण मनुष्य तथा Ms.Ankita का गण भी मनुष्य ही है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के स्वभाव एक जैसे होंगे। दोनों भौतिक सुखों के आकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान, व्यावहारिक तथा मिलनसार रहेंगे।˙ तथा साथ मिलकर अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

भकूट

Mr.Debassish से Ms.Ankita की राशि पंचम भाव में स्थित है तथा Ms.Ankita से Mr.Debassish की राशि नवम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। दोनों के राशि स्वामियों में परस्पर मित्र होने के कारण नवम-पंचम दोष का परिहार होने के कारण विवाह को स्वीकृति प्रदान की जा सकती है किंतु भकूट मिलान में इसे 0 अंक/गुण प्रदान किया जायेगा। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े होते रह सकते हैं। जिसके कारण Ms.Ankita को संतानोत्पत्ति में भी समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

नाड़ी

Mr.Debassish की नाड़ी आद्य है तथा Ms.Ankita की नाड़ी भी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Mr.Debassish एवं Ms.Ankita दोनों की आद्य नाड़ी होने से, दम्पत्ति वात से

संबंधित बीमारियों एवं रोगों के शिकार हो सकते हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से ऐसे दम्पत्ति जिनकी नाड़ी एक ही हों, उनकी संतानें रक्ताल्पता, रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी का शिकार हो सकते हैं। वे पढ़ाई एवं कार्य में संकेन्द्रण की कमी जैसी व्याधियों एवं परेशानियों के शिकार हो सकते हैं अथवा बचपन या किशोरावस्था में ही उनकी मृत्यु हो सकती है।

Astro.Pt.Premshankar Sharma
Falit Jyotish & Remedies
Warangde Maan Boisar East Palghar Maharashtra.401501
Mo.No.+91 9721 1234 95
Mo.No.+91 9823 0403 89
astroptpremshankarsharma@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr.Debassish की जन्म राशि वायुतत्व युक्त कुम्भ तथा Ms.Ankita की राशि भी वायु तत्व युक्त मिथुन है। अतः तत्वों की समानता होने के कारण इनमें स्वभावगत समानताएं विद्य मान होंगी इससे दाम्पत्यों में मधुरता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन सुखमय होगा। अतः यह मिलान उत्तम रहेगा।

Mr.Debassish की राशि का स्वामी शनि तथा Ms.Ankita की राशि का स्वामी बुध परस्पर मित्र राशियों में स्थित हैं। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति अच्छी रहेगी। इसके प्रभाव से Mr.Debassish और Ms.Ankita के मध्य परस्पर प्रेम सहानुभूति तथा समर्पण का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति पूर्ण आत्मीयता रहेगी फलतः सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर होंगे। Mr.Debassish और Ms.Ankita दो सच्चे मित्रों की तरह एक दूसरे के गुणों की मुक्त भाव से प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे फलतः दाम्पत्य जीवन में शांति तथा प्रसन्नता बनी रहेगी।

Mr.Debassish और Ms.Ankita की राशियां परस्पर पंचम एवं नवम भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से यदा कदा उपरोक्त शुभ प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबंधों में विरोध तथा मतभेद उत्पन्न होंगे । साथ ही अंहकार की प्रवृति के कारण Mr.Debassish और Ms.Ankita एक दूसरे के अस्तित्व को प्रेम पूर्वक स्वीकार करने में असमर्थ होंगे जिससे विरोध एवं वैमनस्य के भाव में वृद्धि होगी। अतः यदि Mr.Debassish और Ms.Ankita बुद्धिमता एवं सामंजस्य से कार्य लें तो अशुभ प्रभावों में कमी हो सकती है।

Mr.Debassish और Ms.Ankita दोनों का वश्य मानव है। अतः इनकी अभिरूचियां समान होंगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक आवश्यकताओं में भी समानता रहेगी। साथ ही दाम्पत्य संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ होंगे जिससे संबंधों में मधुरता रहेगी।

Mr.Debassish और Ms.Ankita दोनों का वर्ण शूद्र है। अतः दोनों की प्रवृति किसी भी कार्य को परिश्रम से करने में समर्थ होंगे जिससे कार्य क्षेत्र की स्थिति सुदृढ़ रहेंगी तथा आपस में सहयोग का भाव रहेगा।

धन

Mr.Debassish की तारा सम्पत तथा Ms.Ankita की तारा अतिमित्र है इसके शुभ प्रभाव से Mr.Debassish सौभाग्यशाली तथा धनवान व्यक्ति होंगे तथा Ms.Ankita के भाग्य से उनकी धन सम्पति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का उनकी आर्थिक स्थिति पर सामान्य प्रभाव रहेगा तथा उससे आर्थिक स्थिति सामान्य ही रहेगी। साथ ही मंगल का भी आर्थिक क्षेत्र पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार वे ऐश्वर्य एवं समृद्धि से युक्त होंगे तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

Mr.Debassish और Ms.Ankita को अनायास धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना रहेगी तथा जीवन में वे समस्त भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। विशेष रूप से Ms.Ankita का शुभ प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर रहेगा तथा सामाजिक स्तर पर भी उनका पूर्ण सम्मान रहेगा।

स्वास्थ्य

Mr.Debassish और Ms.Ankita दोनों एक ही नाड़ी में उत्पन्न हुए है। अतः इन पर नाड़ी दोष का प्रभाव रहेगा जिससे इनका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा। इसके प्रभाव से दम्पति धातु या गुप्त रोगों से परेशानी की अुभूति करेंगे तथा Ms.Ankita भी रक्त या पित कष्टों को प्राप्त करेंगी। साथ ही मंगल के प्रभाव से भी Mr.Debassish हृदय रोग संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे तथा यदा कदा संभोग शक्ति की शिथिलता की भी अनुभूति कर सकते है। इससे दाम्पत्य जीवन में अशांति का वातावरण होगा। अतः दोनों को अपने स्वास्थ्य का पूर्ण ध्यान रखना चाहिए तथा उपरोक्त दुष्प्रभावों की शांति के लिए हनुमानजी की उपासना एवं मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr.Debassish और Ms.Ankita का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Mr.Debassish और Ms.Ankita के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms.Ankita के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms.Ankita को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms.Ankita को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Mr.Debassish और Ms.Ankita सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr.Debassish और Ms.Ankita का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms.Ankita के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद Ms.Ankita अत्यंत ही धैर्य एवं

परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से Ms.Ankita पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि Ms.Ankita अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

Mr.Debassish के अपनी सास से संबधों में मधुरता रहेगी तथा सास को वह अपनी माता के समान पूर्ण आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। वह उन्हें अपने पुत्र के समान समझेंगी तथा उसी प्रकार अपनत्व तथा वात्सल्य प्रदान करेंगी। साथ ही समय समय पर वे सपत्नीक सास से मिलने के लिए ससुराल जाते रहेंगे।

लेकिन ससुर के साथ में Mr.Debassish के संबध अच्छे नहीं रहेंगे। इनकी आयु में अधिक अंतर के कारण वैचारिक तथा सैद्धांतिक मतभेद समय समय पर उत्पन्न होते रहेंगे। लेकिन यदि दोनों सामंजस्य की प्रवृति से कार्य लें तो मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा मधुर संबधों में वृद्धि होगी। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबधों में तनाव रहेगा तथा मानसिक स्तर पर विभिन्नता रहेगी जिससे एक दूसरे को वांछित सहयोग स्नेह एवं सहानुभूति अल्प ही प्रदान करेंगे। अतः इनको परस्पर सामंजस्य के भाव की स्थापना करनी चाहिए। इस प्रकार ससुराल पक्ष का दृष्टिकोण Mr.Debassish के प्रति सामान्य ही रहेगा।